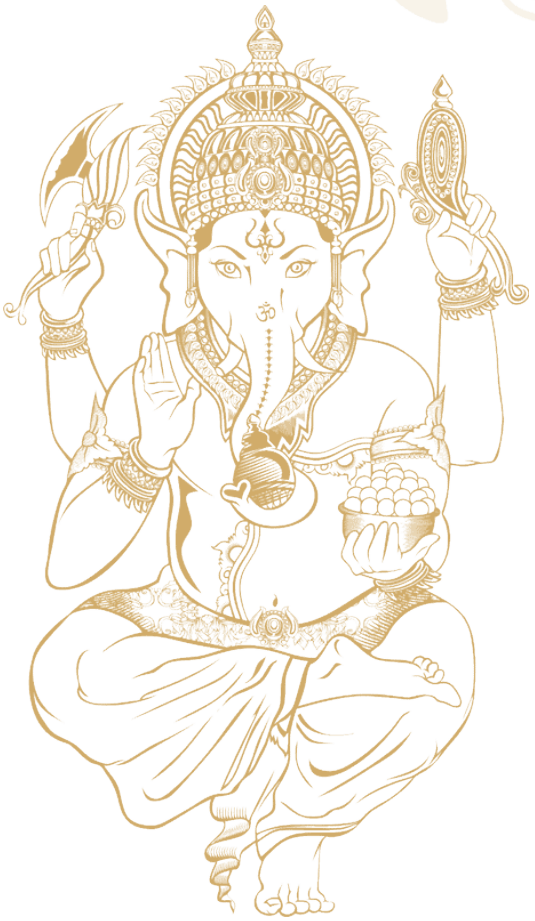

Aakash

Riya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121341322

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/1991	जन्म तिथि	12/08/2001
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	15:50:00 घंटे
घटी 34:30:53	जन्म समय(घटी)	26:06:25 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Hajipur
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	25:41:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	85:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	00:10:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:38	सूर्योदय	05:20:47
17:32:38	सूर्यास्त	18:27:03
23:44:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:30

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 8मा 23दि	25:39:18	मेष	लग्न	धनु	14:38:52	सूर्य 5वर्ष 9मा 18दि
मंगल	18:05:13	कन्या	सूर्य	कर्क	25:53:54	राहु
29/06/2020	18:10:43	सिंह	चंद्र	मेष	27:06:40	31/05/2024
29/06/2027	28:43:25	कन्या	मंगल	वृश्चि	24:52:16	31/05/2042
मंगल 25/11/2020	19:31:51	कन्या	बुध	सिंह	02:43:04	राहु 11/02/2027
राहु 13/12/2021	11:01:22	सिंह	गुरु	मिथु	12:31:26	गुरु 07/07/2029
गुरु 19/11/2022	05:22:56	सिंह	शुक्र	मिथु	18:45:30	शनि 13/05/2032
शनि 29/12/2023	06:26:49	मक	शनि	वृष	19:17:14	बुध 30/11/2034
बुध 25/12/2024	21:09:18	धनु व	राहु	मिथु	11:28:57	केतु 19/12/2035
केतु 23/05/2025	21:09:18	मिथु व	केतु	धनु	11:28:57	शुक्र 18/12/2038
शुक्र 24/07/2026	16:12:03	धनु	हर्ष व	मक	29:06:41	सूर्य 12/11/2039
सूर्य 28/11/2026	20:15:57	धनु	नेप व	मक	13:09:28	चन्द्र 13/05/2041
चन्द्र 29/06/2027	25:04:29	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	18:41:55	मंगल 31/05/2042

लग्न-चलित

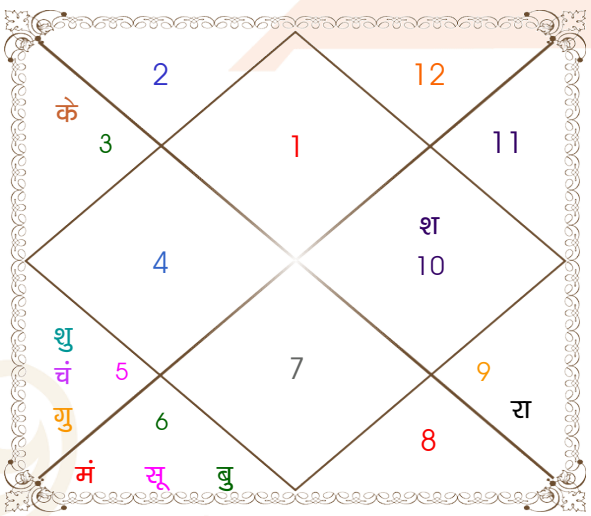

लग्न-चलित

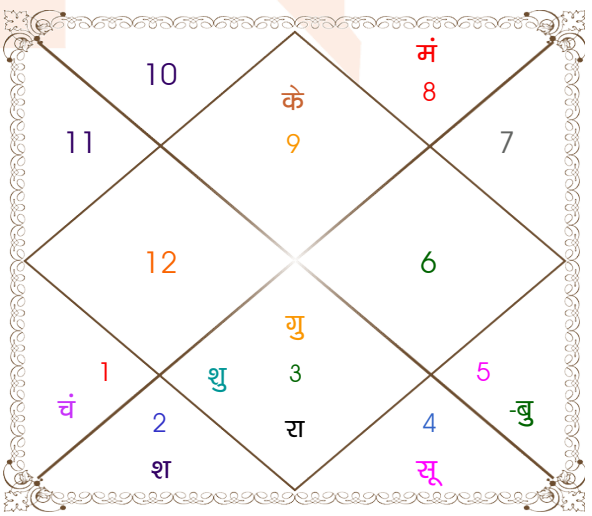

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ीी का वर्ग श्वान है तथा त्पलं का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीी और त्पलं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ीी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्पलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल त्पलं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल त्पलं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ीी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीी तथा त्पलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।